जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 190 प्रभात कोटा, शुक्रवार 25 अप्रैल, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अमेरिका की यात्रा बीच में छोड़कर राहुल गांधी दिल्ली लौटे

वे शुक्रवार को अनंतनाग जायेंगे, जहाँ घायल व्यक्तियों का इलाज चल रहा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। राहुल गांधी कल श्रीनगर और अनंतनाग का दौरा करेंगे, जहाँ वे अनंतनाग में घायल लोगों से मुलाकात करेंगे और आतंकवादियों द्वारा मारे गए लोगों के प्रति संवेदना और एकजुटता का संदेश देंगे।

ऐसा माना जा रहा है कि वे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से भी मिल सकते हैं, जिनकी सरकार को कांग्रेस का समर्थन प्राप्त है, हालांकि कांग्रेस सरकार में भागीदार नहीं है।

यह बात महत्वपूर्ण है कि पहलगाम हमले, जिसमें आतंकवादियों की गोली से 26 लोगों की जानें गईं, के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा समीक्षा बैठक के लिए उमर अब्दुल्ला को नहीं बुलाया। चूँकि जम्मू-कश्मीर अब भी एक केंद्र शासित प्रदेश है, सुरक्षा की जिम्मेदारी गृह मंत्रालय पर है। इसीलिए यह सवाल उठ रहा है कि सुरक्षा में चूक के लिए जिम्मेदार कौन है और पहलगाम जैसे संवेदनशील इलाके में उस समय पुलिस या सेना की मौजूदगी क्यों नहीं थी, जब आतंकवादियों ने निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया।

- राहुल मु.मंत्री उमर अब्दुल्ला से मिलेंगे। परंतु, गृह मंत्री अमित शाह ने सर्वदलीय बैठक में जिसमें पहलगाम में सुरक्षा व्यवस्था में हुई चूक पर भी चर्चा हुई, उमर अब्दुल्लाह को आमंत्रित नहीं किया है।
- हालांकि, सर्वदलीय बैठक में अमित शाह ने यह स्वीकार किया कि पहलगाम में ''इंटैलिजैंस'' चूक हुई है तथा सरकार इस बात की तफतीश कर रही है कि पहलगाम में पुलिस व सेना तैनात क्यों नहीं थी।
- प्र.मंत्री अभी तक कश्मीर नहीं जा सके हैं, हालांकि, वे बिहार में मधुबनी गये, जहाँ उन्होंने आम सभा में सार्वजनिक घोषणा की कि हर आतंकवादी, जिसने पहलगाम की घटना को अंजाम दिया है, को चिन्हित किया जायेगा, ट्रैक किया जायेगा और नेस्तनाबूद किया जायेगा।
- कांग्रेस ने सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में इन्टैलिजैंस व सुरक्षा व्यवस्था में हुई चूक को मुद्दा बनाया।
- सी.डब्ल्यु.सी. इस बात को भी ध्यान में लायी कि शीघ्र ही अमरनाथ यात्रा शुरु होने वाली है तथा लाखों तीर्थ यात्री इसमें भाग लेंगे तथा उनकी सुरक्षा को सरकार देश की पहली प्राथमिकता माने।
- महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, हम सुरक्षा व्यवस्था में चूक के लिए सरकार को कटघरे में खड़ा नहीं कर रहे, पर हम शहीद हुए पर्यटक के दाह संस्कार में गये थे, वहाँ सबकी ज़बान पर, एक ही सवाल था, ''इतनी बड़ी चूक कैसे हो गई, सुरक्षा व्यवस्था में?''

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी तक कश्मीर नहीं गए हैं और न ही उन्होंने सर्वदलीय बैठक में भाग लिया, हालांकि, वे बिहार के मधुबनी में एक रैली को संबोधित करने गए और वहाँ गरजते हुए कहा कि वे पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाएंगे जो वह कभी नहीं भूल पाएगा, और वो निर्दोष नागरिकों की हत्या में शामिल लोगों को बख्शेंगे नहीं।

सूत्रों के अनुसार, सर्वदलीय बैठक में अमित शाह ने स्वीकार किया कि खुफिया विफलता हुई है और सरकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'द टैररिस्ट फ्रंट'

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम हत्याओं के लिये जिम्मेदार आतंकियों और उनके मास्टर माइन्ड्स को ''चिन्हित करने, ढूँढ निकालने तथा सजा देने'' का प्रण किया है, और इसमें ''रैज़िस्टैंस फ्रन्ट'' नामक उस आतंकी संगठन पर फोकस किया गया है, जिसने इन हत्याओं की जिम्मेदारी का दावा किया है।

- नया आतंकवादी संगठन, जिसने पहलगाम आतंकवादी ट्रैजडी की जिम्मेवारी ली, पुराने आतंकवादी ग्रुप से भिन्न रणनीति प्रतिपादित करता है। पुराने आतंकवादी ग्रुप इस्लामिक पृष्ठभूमि पर फोकस करते थे, पर, टी.आर.एफ. कश्मीरियत पर जोर देता है। अतः ''बाहरी'' व्यक्तियों को कश्मीर में आकर बसने को बड़ा जुर्म मानता है तथा ऐसे व्यक्तियों को सबसे पहले ''टारगेट'' बनाता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

युद्ध के नगाड़ों की आवाज़ और नज़दीक आती जा रही है

पाकिस्तान ने ''इण्डस वॉटर ट्रीटी'' को निलम्बित करने (सस्पैंड करने) को ''एक्ट ऑफ वॉर'' (युद्ध प्रारम्भ कराने वाला कृत्य) बताया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। पहलगाम में हुए हमले में निर्दोष पर्यटकों की हत्या के बाद, भारत और पाकिस्तान एक बार फिर टकराव की ओर बढ़ रहे हैं। जुबानी जंग तेज हो गई है और दूर से सुनाई दे रहे युद्ध के नगाड़े करीब आते प्रतीत हो रहे हैं।

भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने के कदम को पाकिस्तान ने युद्ध की कार्रवाई करार दिया है। पाकिस्तान अपनी कृषि भूमि की सिंचाई, पीने के पानी और आर्थिक गतिविधियों के लिए सिंधु नदी के जल पर पूरी तरह निर्भर है।

भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अपराध के दोषियों को, चाहे वे कहीं भी छिपे हों, पकड़ने का संकल्प लिया है। उन्होंने ऐलान किया है कि भारत पहलगाम हत्याकांड के आतंकियों को पकड़ने के लिए दुनिया के किसी भी कोने तक जाएगा।

जवाब में पाकिस्तान ने चेतावनी दी है कि यदि उसकी संप्रभुता को खतरा हुआ या उसके क्षेत्र में घुसपैठ हुई तो वह प्रतिशोधात्मक कार्रवाई करेगा। अभी से, पाकिस्तान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी भी तरह से नरम नहीं पड़ रहा है। उसने शिमला समझौते को अमान्य घोषित करने और भारत के लिए अपने हवाई क्षेत्र से सभी उड़ानों पर रोक लगाने जैसे शत्रुतापूर्ण कदमों की घोषणा की है।

शिमला समझौते को दरकिनार करने का अर्थ होगा कि नियंत्रण रेखा की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- साथ ही पाकिस्तान ने ''शिमला पैक्ट'' को अमान्य घोषित किया। इसका अर्थ है, ''लाईन ऑफ कंट्रोल'' की सार्वभौमिक पवित्रता नहीं रही तथा भविष्य में ''लाइन ऑफ कंट्रोल'' की परिभाषा बदलती रहेगी सुविधा व मौके के अनुसार।
- प्र.मंत्री मोदी के उद्घोष, कि भारत, पृथ्वी के अंतिम छोर तक जाकर भी आतंकवादी को ढूंढ़ निकालेगा और खत्म करेगा, के प्रत्युत्तर में पाकिस्तान ने कहा, अगर उनकी सीमा को लांघा गया और सार्वभौमिकता को चुनौती दी गई तो वह भी ''जवाबी'' कार्यवाही करेगा।
- पर, अभी तक पाकिस्तान के पहलगाम ''एडवेन्चर'' को विश्व के किसी भी कोने से समर्थन नहीं मिल रहा है।
- यहाँ तक कि अमेरिका भी अपने पुराने साथी, पाकिस्तान के खिलाफ दिख रहा है, आतंकवादी हमले की परिस्थिति में।
- अतः किसी भी तीसरी ताकत के हस्तक्षेप के अभाव में भारत-पाकिस्तान, आमने-सामने युद्ध की मुद्रा में खड़े हैं और बीच बचाव करने वाला कोई नहीं है।

सरकार ने ओवैसी को सर्वदलीय बैठक में आमंत्रित नहीं किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के संबंध में केन्द्र सरकार ने गुरुवार को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई। इसमें उन्हीं दलों को बुलाया गया जिनके लोकसभा या राज्यसभा में कम से कम 5 सांसद हैं।

योग्यता मानदंड, जिसके कारण कई क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय राजनैतिक दल, जिनमें आवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन भी शामिल है, मीटिंग में शामिल नहीं हो पाए, तमाम लोकतांत्रिक नियमों के खिलाफ है, क्योंकि हरेक सांसद जनता का प्रतिनिधि है।

- सरकार ने मापदंड बनाया है कि जिन राजनीतिक दलों के पांच से कम सांसद हैं, उन्हें सर्वदलीय बैठक में आमंत्रित नहीं किया जायेगा, क्योंकि ''बैठक'' बहुत लम्बी हो जाती है।

ओवैसी ने एक बयान में कहा कि ''पहलगाम आतंकी हमले पर हो रही ऑल पार्टी मीटिंग के बारे में मैंने गत रात्रि किरेन रिजीजू से बात की। उन्होंने कहा कि वे सिर्फ 5 या 10 सांसद वाली पार्टियों को बुलाने पर ही विचार कर रहे है। जब मैंने पूछा कम सांसद वाले दलों को क्यों नहीं, तो उन्होंने कहा कि मीटिंग बहुत लम्बी हो जाएगी। जब मैंने पूछा हमारा, छोटी पार्टियों का क्या, तो उन्होंने मज़ाक में कहा कि मेरी आवाज़ तो वैसे भी बहुत तेज है।''

ओवैसी ने कहा, यह भाजपा या किसी अन्य पार्टी की मीटिंग नहीं है। यह सर्वदलीय बैठक है, जो आतंकवाद और आतंक के सरपरस्त देशों को मजबूत संदेश देने के लिए बुलाई गई है। केन्द्र इसमें विभिन्न राजनैतिक दलों को पहलगाम हमले पर जानकारी देगा और उनकी बात सुनेगा।

बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।

ओवैसी ने कहा, आपकी अपनी पार्टी के पास बहुमत नहीं है। किसी भी पार्टी का भले ही एक सांसद हो या सौ सांसद हो, सभी को भारत की जनता ने चुना है और ऐसे महत्वपूर्ण फैसले पर उसका पक्ष सुना जाए, इसका उसे पूरा हक है। यह राजनैतिक मसला नहीं, बल्कि राष्ट्रीय मसला है। हरेक को सुना जाना चाहिए। मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह करता हूँ कि इसे सही मायने में सर्वदलीय बैठक बनाएं। हरेक दल को बुलाया जाना चाहिए।''

केन्द्र ने 2019 में पुलवामा हमले के बाद और फिर 2020 में इण्डो-चाइना गतिरोध के बाद, ऐसी ही बैठक बुलाई थीं।

हाई कोर्ट ने महिला डॉक्टर के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही पर रोक लगाई

जयपुर, 24 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने मरीज के इलाज में लापरवाही से जुड़े मामले में जयपुरिया अस्पताल की वरिष्ठ चिकित्सक रेखा सिंह के खिलाफ दर्ज एफआईआर में दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब करते हुए दो सप्ताह में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश रेखा सिंह की आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता एके जैन और अधिवक्ता समर्थ जैन ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने जयपुरिया अस्पताल में वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक रहते हुए जनवरी, 2023 में शिकायतकर्ता की आंख का ऑपरेशन किया था। वहीं, इसके दो साल बाद फरवरी, 2025 में शिकायतकर्ता ने निचली अदालत में परिवाद पेश कर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया, जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने मामले में पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए। याचिका में कहा गया कि संबंधित अदालत ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने से पहले भारतीय नागरिक संहिता के प्रावधानों का पालन नहीं किया। कर्तव्यों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राज्य सरकार से दो सप्ताह में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिये।

कोटा में नीट के छात्र की संदिग्ध मौत

कोटा, 24 अप्रैल (निसं)। शहर के कुन्हाड़ी थाना इलाके में नीट के छात्र की संदिग्ध परिस्थिति में मौत का मामला सामने आया है। 4 मई को उसका पेपर होने वाला था। छात्र मूल रूप से दिल्ली का रहने वाला है। फिलहाल शव को मोर्चरी में रखवाया गया है।

कुन्हाड़ी थाने के ड्यूटी ऑफिसर हैड कांस्टेबल नरेन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से गुरुवार सुबह 7 बजे के आसपास सूचना मिली थी कि बेंचमार्क सिटी के खाली प्लॉट में कोई बॉडी पड़ी हुई है। सूचना मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी, साथ ही उच्च अधिकारियों को भी अवगत करा दिया गया था। पुलिस ने एफएसएल टीम को भी बुलाकर साक्ष्य एकत्रित करवाए थे।

- छात्र का शव एक खाली प्लॉट में मिला। वहीं उसका मोबाइल भी पड़ा मिला।

युवक की उम्र करीब 22 साल के आसपास है। उसके शरीर पर कोई चोट के निशान भी नहीं दिखे। शव को,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

900 करोड़ के जल जीवन मिशन घोटाले में पूर्व मंत्री महेश जोशी गिरफ्तार

करीब 6 घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने की गिरफ्तारी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 24 अप्रैल। एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) ने पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता महेश जोशी को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। जल जीवन मिशन (जेजेएम) में हुए करीब 900 करोड़ के घोटाले में गुरुवार को दिनभर ईडी के अधिकारियों ने जोशी से पूछताछ की।

कई नोटिसों के बाद, गुरुवार को दोपहर 1 बजे कांग्रेस नेता महेश जोशी अपने एक निजी सहायक के साथ ईडी मुख्यालय पहुंचे। ईडी के अधिकारियों ने उनसे घोटाले से जुड़े मामले में पूछताछ की। करीब 6 घंटे पूछताछ के बाद ईडी ने जोशी को गिरफ्तार कर लिया।

सूत्रों के मुताबिक, एसीबी की जांच और ईडी से मिले दस्तावेजों में बड़ा खुलासा हुआ कि पूर्व मंत्री महेश जोशी, उनके सहयोगी संजय बड़ाया और पीएचईडी के अधिकारियों को टेंडर राशि का 4 प्रतिशत तक एडवांस भुगतान हुआ था। यह राशि दोनों संदिग्ध फर्मों, मैसर्स श्री श्याम ट्यूबवैल कंपनी और मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवैल कम्पनी के ठेकेदार पदमचंद जैन और महेश मित्तल ने दी थी।

- जोशी बोले, ''मेरी पत्नी मरणासन्न स्थिति में है, मैंने कोई गड़बड़ी नहीं की, किसी से पैसा नहीं लिया।''
- सूत्रों के अनुसार, एसीबी की जाँच और ईडी से मिले दस्तावेजों में खुलासा हुआ है कि महेश जोशी, उनके सहयोगी संजय बड़ाया व पीएचईडी अधिकारियों को टेंडर राशि का 4 प्रतिशत तक एडवांस भुगतान हुआ था।

ईडी ने इस संबंध में एसीबी को दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। ईडी ने अपनी जांच के आधार पर पूर्व मंत्री महेश जोशी को आरोपी बनाया था। इसी आधार पर एसीबी ने भी महेश जोशी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की।

इसके बाद ईडी, महेश जोशी को पिछले लंबे समय से पूछताछ के लिए बुला रही थी, लेकिन महेश जोशी व्यक्तिगत कारणों की वजह से नहीं जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, जोशी को कुछ दस्तावेज दिखाए गए, उन दस्तावेजों को लेकर उनसे जवाब मांगा गया।

जेजेएम घोटाला, केन्द्र सरकार की, हर घर नल पहुंचाने वाली जल जीवन मिशन योजना से जुड़ा है। साल 2021 में श्री श्याम ट्यूबवैल कंपनी और मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवैल कंपनी के ठेकेदार पदमचंद जैन और महेश मित्तल ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र दिखाकर जलदाय विभाग से करोड़ों रुपए के 4 टेंडर हासिल किए थे।

श्री गणपति ट्यूबवैल कंपनी ने फर्जी कार्य प्रमाण पत्रों से पीएचईडी की 68 निविदाओं में भाग लिया था। उनमें से 31 टेंडर में एल-1 के रूप में 859.2 करोड़ के टेंडर हासिल किए थे। वहीं, श्री श्याम ट्यूबवैल कंपनी ने 169 निविदाओं में भाग लिया और 73 निविदाओं में एल -1 के रूप में भाग लेकर 120.25 करोड़ के टेंडर हासिल किए थे।

ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद, महेश जोशी ने कहा कि ''मेरी पत्नी मरणासन्न स्थिति में है। मैंने रिक्वेस्ट की कि मेरे खिलाफ केस बनाया गया है। मैंने कोई गड़बड़ी नहीं की। मैंने किसी से पैसा नहीं लिया।

जोशी ने कहा कि जिन लोगों के खिलाफ मैंने कार्रवाई की है, उनके बयान लेकर मेरे खिलाफ एक्शन लिया गया है। मुझे देश की कानून व्यवस्था पर पूरा भरोसा है और मैं उम्मीद करता हूं कि मुझे न्याय मिलेगा।

गिरफ्तारी के बाद, देर शाम ईडी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मृत पर्यटकों के परिवार वाले पहलगाम के नरसंहार के लिये ''इंटैलिजैंस'' व सिक्युरिटी चूक को जिम्मेवार मानते हैं

बैंगलोर निवासी चिन्नवीरप्पा, जिसका बेटा भारत भूषण पहलगाम में मारा गया, ने कहा, ''केन्द्र को कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था में और कड़ाई लानी चाहिए, जिससे आतंकवादियों का खात्मा हो तथा और किसी का वैसा अंत न हो, जो मेरे बेटे का हुआ है''

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। नैशनल मीडिया ने कथित रूप से कश्मीर आतंकी हमले पर जो फैक्ट रखे है, उसमें फोकस इस बात पर करने का प्रयास किया है कि आतंकियों ने सिर्फ हिंदुओं को मारा है, लेकिन मरने वाले कुछ नागरिकों के परिजनों ने बैंगलोर लौटने पर जो बताया, उससे साफ जाहिर है कि यह ''इंटैलिजैंस फेलियर'' व सुरक्षा में चूक है।

गुरुवार सुबह कर्नाटक के दो नागरिकों के शव कश्मीर से लाए गए। इनमें से एक भारत भूषण का शव बैंगलोर उसके घर भेजा गया तथा दूसरे मृतक मंजूनाथ के अवशेष शिवमोगा में उसके घर भेजे गए।

दोनों जगहों पर नेता पहुँचे और उन्होंने अवसर का राजनैतिक लाभ उठाने की भरपूर कोशिश की। शिवमोगा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता मंजूनाथ की शव यात्रा में शामिल हुए, उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की और भारत माता की जय, जय मंजूनाथ, मंजूनाथ अमर रहे के नारे लगाए।

लेकिन मंजूनाथ और भारत भूषण के रिश्तेदारों ने घटना स्थल पर सुरक्षा बलों की गैर मौजूदगी पर सवाल उठाया और हादसे के लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहराया।

बैंगलूरू के भारत भूषण (41 वर्ष) के पिता चिन्नवीरप्पा ने कहा कि ''हम कूटनीतिक एक्शन का स्वागत करते हैं, पर बड़ा सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर होनी चाहिए थी। केन्द्र सरकार को कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था के लिए कदम उठाने चाहिए और सभी आतंकवादियों को खत्म कर देना चाहिए ताकि किसी का भी हश्र उनके बेटे जैसा न हो।''

- शिवामोगा के निवासी मंजूनाथ राव की पत्नी ने भी अपने पति की पहलगाम में हुई मृत्यु के बारे में कहा, ''आतंकवादी मजे में घूम रहे हैं तथा भारतवासी भय से त्रस्त जीवन बिता रहे हैं।''
- ''पहलगाम में और सुरक्षाकर्मी नियुक्त होने चाहिये थे। मेरी मोदी जी से एक ही प्रार्थना है कि आतंकवादियों में इतना आतंक फैला दें कि किसी भारतीय पर हाथ डालने से पहले उसके पसीने छूट जाएं, जैसे मेरे छूट रहे हैं, अपने पति की शव यात्रा में।''

मंजूनाथ (47 वर्ष) की पत्नी पल्लवी ने कहा, आतंकवादी खुले घूम रहे हैं और हम भारतीय वहाँ डर में रहते हैं। जब उन्होंने मेरे पति व अन्य लोगों को मार दिया था तो वहाँ एक घंटे तक कोई मदद नहीं पहुँची, मुझे लगता है कि पर्यटन स्थल (बैसारन) में सुरक्षाकर्मी तैनात होते तो यह हादसा टाला जा सकता था। मेरी मोदी जी से एक ही अपील है कि आतंकवादियों के खिलाफ इतने सख्त कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि वे भारत पर हमला करने की सोच से भी डरें। उनका भी वैसे ही पसीना छूटे, जैसे मेरे छूट रहे है, अपने पति की शव यात्रा में

कर्नाटक के मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया ने आतंकी हमले के लिए केन्द्र को जिम्मेवार ठहराया और कहा कि यह भारी इंटैलिजैंस फेलियर व सुरक्षा चूक है। पर उन्होंने यह भी कहा कि फिर भी इस संकट की घड़ी में हम सरकार के साथ है और केन्द्र सरकार को आतंक व आतंकवादियों का विनाश कर देना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि निर्दोषों की जानें गईं हैं। आतंकियों ने लोगों को उनके बीवी-बच्चों के सामने मारा है, इससे ज्यादा कायरतापूर्ण कुछ भी नहीं है। यहाँ पुलवामा घटना हुई थी, जिसमें 40 जवान मारे गए थे। मुझे लगता है कि इसमें खुफिया विभाग की विफलता है।

हमारी सरकार ने पीड़ित परिवारों को दस लाख रूपए देने की घोषणा की है।

राज्यपाल थावर चंद गहलोत बैंगलोर में भूषण के घर गए। उन्होंने कहा कि ''देश की वर्तमान सरकार ने सीसीएस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमित शाह व जयशंकर ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

नयी दिल्ली, 24 अप्रैल। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले पर बुलायी गयी सर्वदलीय बैठक से पहले केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने गुरूवार को यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

राष्ट्रपति भवन के अनुसार, दोनों केन्द्रीय मंत्री राष्ट्रपति से मिलने आये और

- दोनों ने सर्वदलीय बैठक से पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें पहलगाम हमले की जानकारी दी।

उनके साथ बातचीत की। राष्ट्रपति भवन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर मुलाकात की फोटो जारी करते हुए इसकी जानकारी दी। पहलगाम हमले के मुद्दे पर सरकार द्वारा बुलायी गयी सर्वदलीय बैठक से पहले हुई इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार शाह ने राष्ट्रपति को अपनी जम्मू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)